परंपरागत जलस्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें : दिलावर

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलवर ने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें।

दिलावर आज सोमवार को शिक्षा संकुल में आयोजित जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लें। साथ ही इनमें पानी की आवक के रास्ते बनाने, नियमित साफ सफाई करने जैसे कार्य इसी वित्तीय वर्ष में करने के निर्देश दिए।

विभाग के कार्यों के संचालन के लिए बनाई गई कमेटियों को क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने डिग्गी-मालपुरा में तालाब की डीपीआर शीघ्र बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके अलावा भी बड़े गड्ढों को तालाब के रूप में परिवर्तित किया जाय ताकि जल का ज्यादा से ज्यादा संग्रहण किया जा सके।नदियों के किनारे भूमि कटाव को भी रोका जाय।

उन्होंने विभाग द्वारा बनाये गए 75 अमृत सरोवर, 863 एनीकट की विस्तार से जानकारी ली।उन्होंने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के जरिए कृषि उत्पादन बढ़ाने ,होर्टीकल्चर गतिविधियों के माध्यम से प्लांटेशन करने फलदार पौधे लगाने, घास उत्पादन बढ़ाने, ड्रिप सिस्टम लगाने एवं आमजन से सजीव सम्पर्क बनाये रखने के लिए अधिकारियों को समय-समय पर गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए।

■ **परंपरा गत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लेने के निर्देश**

इस बैठक में विभाग के आयुक्त श्रीराम मीना एवं अधिकारी उपस्थित थे।

दिलावर ने विलायती बबूल के बढ़ते हुए फैलाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की इसको समूल नष्ट करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना अतिशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसी वित्त वर्ष में लक्ष्य लेकर प्रदेश के 220 एनीकेट और 50 बावड़ियों का जीणोद्धार करवाया जाए। और 31 मार्च तक इस को पूर्ण किया जाए।

28 फरवरी तक बनेंगे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में आपके प्रोजेक्ट में 1885 पंचायतें है। इन सभी पंचायतों के भवनों एवं इनके अंतर्गत आने वाले सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 28 फरवरी तक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम रिचिंग सॉफ्ट के साथ बनाए जाए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज यहां वाटरशेड के अधिकारियों की बैठक में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी आवश्यक रूप से गांव में रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हो। दिलावर ने कहा कि पूर्व में भी इस बाबत निर्देश जारी कर दिए गए थे किंतु लगता है अभी तक अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि आपके पास सरकारी वाहन है। सुविधाएं हैं, फिर भी आप ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड में प्रवास नहीं कर रहे हैं। तो फिर गाड़ी की क्या आवश्यकता है। क्यों ना आप से गाड़ी वापस ले ली जाए। मंत्री ने कहा कि अगली बैठक में जब हम मिले तो मुझे फील्ड की पूरी रिपोर्ट चाहिए।

राम कथा में हुआ राम-जानकी विवाह प्रसंग

अजमेर रोड पर नीलकंठ कॉलोनी स्थित श्री शुक संप्रदाय की आचार्य पीठ श्री बरसाना में शुक सम्प्रदाय पीठाधीश अलबेली माधुरी शरण महाराज ने श्रीराम कथा का वाचन किया।

जयपुर। श्री शुक सम्प्रदाय पीठाधीश छोटे दादा गुरुदेव श्री रसिक माधुरी शरण जी महाराज के 126 वें जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सरस परिकर की ओर से अजमेर रोड पर नीलकंठ कॉलोनी स्थित श्री शुक संप्रदाय की आचार्य पीठ श्री बरसाना में शुक सम्प्रदाय पीठाधीश अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में हो रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा में सोमवार को भगवान राम के राज्याभिषेक की तैयारी, वनवास, निषादराज और केवट से भेंट के प्रसंग हुए। इससे पूर्व व्यासपीठ से आचार्य राजेश्वर ने राम-जानकी विवाह की कथा का श्रवण कराया। राम-जानकी प्रसंग सुन पूरा पांडाल खुशी से झूठ उठा।

भगवान राम और सीताजी के चित्रपट का फूलों और चंदन से श्रृंगार किया गया। आचार्य राजेश्वर ने कहा कि सीता स्वयंवर में धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाना कोई सरल कार्य नहीं था। राम ने जनकपुर के स्वयंवर में अपनी अद्भुत वीरता दिखाई और जिस धनुष को राजा-महाराजा हिला नहीं सकें उस धनुष को उठाकर रामजी ने सीता से विवाह किया। सीता ने रामजी के गले में वर माला डालकर उन्हें पति के रूप में स्वीकार किया। राम कथा में राम सीता के विवाह का दृश्य भी दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि जनकपुर से जब सीताजी की विदाई हुई तब उनके माता-पिता ने उन्हें ससुराल में कैसे रहना है इसकी सीख दी। प्रत्येक माता-पिता को अपनी पुत्री के विवाह के समय ऐसी ही सीख देनी चाहिए। कन्या को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे ससुराल और मायका दोनों कुल कलंकित हो। माता सीता ने पूरे जीवन अपने माता-पिता की सीख का पालन किया। राजा दशरथ के तीनों अन्य पुत्रों लक्ष्मण भरत, शत्रुघ्न के विवाह का भी श्रवण कराया। राजा दशरथ के चारों पुत्र संस्कारी थे। जो लोग कुल एवं संस्कारों में श्रेष्ठ होते है उनके विवाह में कोई बाधा नहीं आती है। पुत्री का सुख चाहने वाले माता-पिता स्वयं ऐसे कुल एवं संस्कारवान परिवारों का चयन करते है इसलिए जीवन में श्रेष्ठ आचरण करे।

■ **श्रीराम कथा में भगवान राम के राज्याभिषेक की तैयारी, निषादराज और केवट से भेंट के प्रसंग हुए**

श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि मंगलवार को दशरथ के देहांत, भरत का वन जाकर राम को वापस लाने का प्रयास, राम-भरत मिलन, राम का भारद्वाज सहित अन्य ऋषियों से मिलन की कथा होगी। रामगोपाल सराफ ने व्यासपीठ का पूजन किया। पंडित सुरेश मिश्रा, धीरेन्द्र माथुर, नरेश माथुर, गोपाल सिंह ने आरती उतारी । एडवोकेट प्रबल, सीए प्रशांत अग्रवाल सहित अन्य ने विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली।

जयपुर फैशन एक्सपो 2025 का पोस्टर विमोचन

जयपुर। जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापूरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 इंटरनैक्शनल फैशन के कलर फुल ड्रेस के साथ आयोजित किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मोहित टेलर ने बताया इस एक्सहिबिशन में ब्लैक एंड वाइट थीम और पेस्टल कलर चार्ट के साथ गोटा पत्ती और सिक्वेंस स्ट्रिप प्रिंट, ब्राइबेंट् कलर , बगरू प्रिंट , सांगानेरी प्रिण्ट से बने परिधान रैंप शो केश किया !फैशन के मिश्रण के माध्यम से एथनिक और फ्यूजन वियर श्रेणी के तहत डिजाइनर अनारकली , कुर्तियों, प्लाजो सूट सेट, इण्डो वेस्ट्रन लहंगा, कुर्तीस ब्लाउज सेट आदि डिस्प्ले किये जायेगे।

पोस्टर विमोचन में गारमेंट क्लब के अध्यक्ष दीपक जैन , सेक्रेटरी अशोक गुप्ता ,भाजपा प्रदेश प्रभारी अशोक सैनी, शंकर जोशी ,सिद्धार्थ जैन,केशव शुक्ला,किशनचंद, आदि मौजूद रहे।

■ **जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापुरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 आयोजित किया जायेगा**

इस एग्जीबिशन में देश-भर के गारमेंट एजेंट्स भी शामिल है ,जयपुर के अनुभवी गारमेंट मैन्युफैक्चरर अपनी अपनी गारमेंट स्टॉल के माध्यम से अपना अपना कलेक्शन के माध्यम से बायर से ऑर्डर लिए जायेगे।

यहां इस ऐग्जीबिशन में नेपाल,यूएसए,लंदन,बंगलौर,हैदराबाद ,चेन्नई,अहमदाबाद,भोपाल,उड़ीसा, छत्तीसगढ़ ,दिल्ली, गोवा , रायपुर ,कोटा, भीलवाड़ा ,इन्दौर,आसाम , कलकत्ता आदि जगह से कस्टमर ने होलसेल में सभी मैन्युफैक्चर को ऑर्डर दिया जाएगा।

ये एक्ज़ीबिशन मैन्युफैक्चर टू होलसेलर के लिए रखा जाएगा। इस एक्ज़ीबिशन के माध्यम से सीतापुरा और मानसरोवर के टॉप 60 मैन्युफैक्चर को काफ़ी ऑर्डर मिलने की संभावना है। इस फेयर में अनुमानित 2000 होलसेलर कस्टमर आयेगे। इस एग्जीबिशन में कॉटन ,रेयोन, शिफ़ॉन,जोरजट,सिल्क से बने कुर्तिस, स्कर्ट, प्लाज़ो सेट, अनारकली, जम्पसूट्स इण्डियन एंड वेस्ट्रन परिधान डिस्प्ले किया जाएगा।

जयपुर के सभी विद्यालयों में कक्षा 8 तक 7 व 8 जनवरी का अवकाश

जयपुर। शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी को देखते हुए 7 जनवरी एवं 8 जनवरी तक जयपुर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा मंजू शर्मा ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीत लहर एवं बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर के निर्देशों की अनुपालना में फैसला लिया गया है। जिसके तहत जिले में संचालित कक्षा एक से 8 तक के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का 7 जनवरी से 8 जनवरी तक का अवकाश घोषित किया गया है।

■ **शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी को देखते हुए अवकाश घोषित किया गया**

उन्होंने बताया कि अवकाश केवल छात्र-छात्राओं के लिए लागू रहेगा तथा समस्त स्टाफ के शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करेंगें। आदेशों की अवहेलना होने की स्थिति में संबंधित संस्था प्रधान अथवा कार्मिकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल लाई जाएगी।

चित्रलेखा के मंचन के साथ 7वें राजरंगम् का समापन

जयपुर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वां राजरंगम् रंगमंच के रंगों से सराबोर करने के बाद सोमवार को विदा हुआ। अंतिम दिन चित्रलेखा नाटक का मंचन किया गया जिसका निर्देशन व नाट्यय रूपांतरण वरिष्ठ नाट्यय निर्देशक धीरज भटनागर ने किया। पद्म भूषण अलंकृत साहित्यकार भगवती चरण वर्मा की कृति चित्रलेखा पर आधारित नाट्यय प्रस्तुति में अभिनय, संगीत और नृत्य का समागम देखने को मिला जिसे दर्शकों की खूब सराहना मिली।

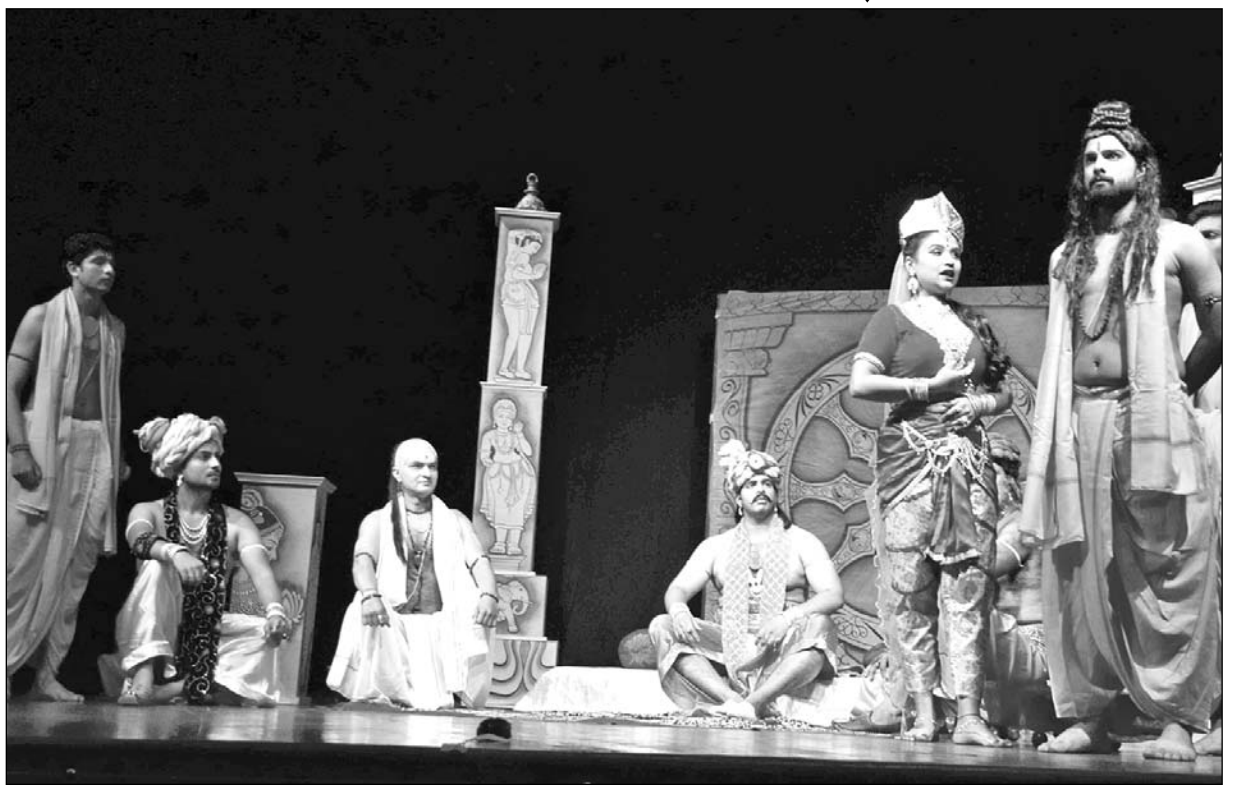

राजरंगम् के अंतिम दिन चित्रलेखा नाटक का मंचन किया गया।

सभागार में प्रवेश करते ही दर्शक मंच पर मध्यकालीन भारत की छवि देखते हैं। महल और योगी की कुटिया को दर्शाने के लिए लकड़ी से सेट तैयार किया गया जिस पर बने चित्र दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। मंच पर अभिनेता आशुतोष राणा की आवाज में गूंजते शिव तांडव पर नृत्य के साथ नाटक की शुरुआत होती है जिसका भावानुवाद आलोक श्रीवास्तव ने किया है। आचार्य रत्नांबर के दो शिष्य श्वेतांक और विशालदेव अपने गुरु से पाप और पुण्य में अंतर पूछते हैं, इस पर आचार्य उन्हें संसार से ही ज्ञानार्जन की शिक्षा देते हैं। दोनों अपने-अपने रास्ते पर निकलते हैं, श्वेतांक पाटलिपुत्र के सामंत बीजगुप्त और विशालदेव योगी कुमारगिरि के पास पहुंच जाता है। यहीं से दोनों की शिक्षा शुरू होती है। चित्रलेखा जो अपने नृत्य कौशल और सुंदरता के लिए पूरे पाटलिपुत्र में प्रसिद्ध है वह बीजगुप्त की प्रेयसी भी है।

चित्रलेखा ही इस नाटक का केन्द्र भी है। कुमारगिरि वैराग्य को श्रेष्ठ मानते हैं तो बीज गुप्त और चित्रलेखा के लिए भोग विलास ही सब कुछ है। अनायास कुमारगिरि और चित्रलेखा की मुलाकात होती है। चित्रलेखा के ज्ञान से कुमारगिरि प्रभावित होते हैं। चित्रलेखा कुमारगिरि से दीक्षा लेने वन में जाती है लेकिन परिस्थितिजन्य कारणों से दोनों फिर मुख्यधारा के जीवन में लौट आते हैं। इधर बीजगुप्त सन्यास धारण कर लेते हैं। अंततः चित्रलेखा और कुमारगिरि को आत्मज्ञान होता है और दोनों फिर विरक्त की ओर अग्रसर होते हैं। श्वेतांक और विशालदेव दोनों को ज्ञात होता है कि ज्ञान तर्क की नहीं अनुभव की वस्तु है और पाप दृष्टिकोण की विषमता है जिसकी परिभाषा संभव नहीं है।

'साहित्य समाज को संवेदनशील बनाता है'

जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा है कि साहित्य समाज को संवेदनशील और सहिष्णु बनाता है एवं सामाजिक बुराइयों के प्रतिकार के लिए प्रेरित करता है। वे ''शब्द संसार'' के तत्वावधान में प्राकृतिक योग आश्रम में वरिष्ठ लेखिका डॉ. सुषमा शर्मा की साहित्य समीक्षा की पुस्तक ''कुछ कही, कुछ अनकही, अनसुनी'' के लोकार्पण अवसर पर अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे। बहुभाषाविद डॉ, नरेन्द्र शर्मा कुसुम मुख्य अतिथि थे।

आफरीदी ने कहाकि साहित्य में आलोचना का विशेष महत्व है। इससे रचनाकार की कृति का सही मूल्यांकन होता पाठकों में अभिरुचि जगाता है। आलोचक की सही और निष्पक्ष समीक्षा लेखक के सृजन को मान्यता देती है। आज के लेखकों की प्रायोजित समीक्षाएं पाठकों का भरोसा तोड़ती हैं और यह साहित्य के साथ छल है।

पीड़ित मानवता की सेवा में फ्लोरेंस नाइटिंगेल का अमिट योगदान : खींवसर

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

हमारा प्रयास है कि प्रदेश में नर्सेज एवं पैरामेडिकल स्टाफ के सभी रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती हो और गांव-ढाणी तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हों। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अल्पकाल में ही 20 हजार से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई है।

खींवसर सोमवार को राजस्थान नर्सिंग काउंसिल के परिसर में आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने काउंसिल परिसर में फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा का अनवारण किया एवं पौधारोपण किया।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को राजस्थान नर्सिंग काउंसिल के परिसर में आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा का अनावरण किया।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल पीड़ित मानवता की सेवा की प्रतिमूर्ति थीं। इस क्षेत्र में उनका अमिट योगदान रहा है। उन्होंने न केवल रोगियों की सेवा की, बल्कि अस्पतालों में स्वच्छता और देखभाल के मानकों को भी बेहतर बनाया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों की सेवा की, जिससे उन्हें 'लेडी विद द लैम्प' के रूप में पहचान मिली। उन्होंने नर्सिंग को एक सम्मानजनक पेशा बनाया और महिलाओं को सशक्त भी किया। उनका समर्पण और सेवा सबके लिए प्रेरणादायी है।

खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार नर्सिंग एवं पैरामेडिकल सेवाओं को विशेष महत्व दे रही है। पूर्ववर्ती सरकार के समय भर्तियां नहीं होने से नर्सिंग सेवाएं चरमरा गई थीं। राज्य सरकार ने मिशन मोड में भर्तियां कर नर्सिंग सेवा के रिक्त पदों को काफी हद तक भर दिया है। शेष रिक्त पदों को भी शीघ्र भर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रिक्तियों को भरने के साथ-साथ पदस्थापन में पूरी पारदर्शिता रखते हुए पोर्टल के माध्यम से नवचयनित कार्मिकों को वरीयता एवं मानवीय मापदण्डों के आधार पर नियुक्तियां दी गई हैं।

■ **राजस्थान नर्सिंग काउंसिल में फ्लोरेंस नाइटिंगेल की प्रतिमा का अनावरण समारोह**

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य हित में स्थानांतरण से प्रतिबंध हटाया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में पूरी पारदर्शिता एवं गाइडलाइन के आधार पर स्थानांतरण किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि महिलाओं, दिव्यांगजन, गंभीर बीमारियों आदि से पीड़ित कार्मिकों को स्थानांतरण में प्राथमिकता मिले। भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी अधिकारी एवं कार्मिक लंबे समय तक एक स्थान पर पदस्थापित नहीं रहे। सबको स्थानांतरण के माध्यम से राहत मिले। इसके लिए चिकित्सा विभाग स्थानांतरण नीति बना रहा है।

खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने चिकित्सा के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अब तक का सर्वाधिक बजट प्रावधान किया है। राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को सुगमता के साथ उपचार उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना लागू की है। इसका दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। बाहर के नागरिक प्रदेश में आकर एवं यहां के नागरिक बाहर जाकर इस योजना के तहत उपचार प्राप्त कर सकें, इसके लिए जल्द ही पोर्टेबिलिटी की सुविधा भी लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को संकल्पबद्धता के साथ नई ऊंचाइयां दी जाएंगी।

राजस्थान नर्सिंग काउंसिल की रजिस्ट्रार भारती सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं नर्सिंग काउंसिल की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा, इण्डियन नर्सिंग काउंसिल के वाइस प्रेसीडेंट जोगिंदर शर्मा, आरएनसी के परीक्षा नियंत्रक अनिल चौधरी सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं नर्सिंग सेवा के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

सार-समाचार

जरूरतमंदों को गरम वस्त्र बांटे

जयपुर। सर्दियों की ठिठुरन भरी रातों में जरूरतमंदों और असहायों को ठंडी से बचाने हेतु शहर में विभिन्न सामाजिक संस्थाएं अपने अपने प्रयास से शहर भर में गरम वस्त्र व कंबल वितरण किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में अध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज ने अपने सद्प्रयासों से 1100 का लक्ष्य लेकर संकल्पबद्ध होकर शहर भर के वृद्धाश्रमों, कुष्ठ आश्रमों में जरूरतमंदों और मंदिर देवालयों के समीप बैठे रहने वाले विकलांगों, भिक्षुओं को स्वयं जाकर अपने हाथों से कंबल वितरण कर सामाजिक समरसता और मानवता की सच्ची पहल कर रहे हैं। खगुल कृष्ण अध्यात्म परिकर के पदाधिकारी ने बताया दिसंबर और जनवरी माह में प्रतिदिन अध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज स्वयं सड़कों पर जाकर उन जरूरतमंदों को कंबल वितरण अभियान के अंतर्गत सर्द भरी रात में फुटपाथों पर बसेरा करने वालों को कंबल प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान जनवरी माह तक चलेगा।

10 प्रतिभाओं को सम्मानित किया

जयपुर। आगरा रोड स्थित तरफ सीताराम-सरस्वती एनक्लेव सोसाइटी में रविवार को नववर्ष स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सोसायटी अध्यक्ष रामावतार खंडेलवाल एवं सचिव गौरीशंकर जंगम ने बताया कि प्रति वर्ष होने वाले समारोह में 10वीं व 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 10 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि समारोह का उद्देश्य कॉलोनीवासियों से मेल मिलाप और आत्मीयता बढ़ाना है। समारोह में प्रसादी का भी आयोजन किया गया जिसमें कॉलोनी के 500 से अधिक बाशिंदों ने लजीज भोजन का लुत्फ उठाते हुए आपस में नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष केके शर्मा, सुरेश गुप्ता, अंकित शर्मा, राजेश शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अरमान अग्रवाल ने जीता रजत पदक

जयपुर। जयपुर के स्कूली छात्र, अरमान अग्रवाल ने चाइना के शेनझेन में आयोजित वर्ल्ड इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलंपियाड में रजत पदक जीतकर न केवल अपने शहर का बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। अरमान इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले भारत से एकमात्र छात्र थे। वे जयपुर के जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) के छात्र हैं। अरमान की सफलता पर स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षकों और समस्त स्टॉफ ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अरमान ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों को दिया। इस अवसर पर स्कूल की जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल की चेयरपर्सन, डॉ जयश्री पेरीवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अरमान की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और स्कूल के लिए गर्व की बात है, बल्कि देश के युवाओं के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है।